आई.एस.बी.एन. : 978-93-7029-924-5
वर्ष-3 अंक-30 दिसम्बर, 2025

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

Editors :

Lieutenant (Dr.) Sandeep Kumar Srivastava

(Chief Editor)

© **Editors**

Edition : 2025

Pages : 20

Size : A4

Paper Quality (GSM) : NIL (Only Electronic)

Published by :

Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur,

Uttar Pradesh-273007

Tel. : +9451520116, 7607592575

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

भारत में महिला स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति चुनौतियां, आंकड़े एवं सुधार की दिशा

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार किशोरावस्था जीवन का वह चरण है जो पोषकता के दृष्टिकोण से विशिष्ट मांग रखता है। यद्यपि इस अवस्था के दौरान किशोर लड़के और लड़कियाँ दोनों ही भावनात्मक परिवर्तनों का सामना करते हैं, लेकिन लड़कियों को लड़कों की तुलना में अधिक शारीरिक आवश्यकताओं का सामना करना पड़ता है और इसलिये उन्हें स्थूल एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों को अधिक मात्रा में ग्रहण की आवश्यकता होती है। समाज में महिलाओं के साथ पारंपरिक रूप से भेदभाव किया जाता रहा है और उन्हें राजनीतिक एवं परिवार–संबंधी निर्णयों से बाहर रखा जाता है। परिवार के भरण–पोषण में उनके दैनिक योगदान के बावजूद उनकी राय को शायद ही कभी महत्त्व दिया जाता है और उनके अधिकार सीमित हैं। समाज वस्तुतः कई महिला अधिकारों को चिह्नित भी करता है, जिसमें राजनीतिक भागीदारी, पारिवारिक भत्ता और व्यवसाय स्थापित करने जैसे अधिकार शामिल हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता और सूचना का अभाव महिलाओं की स्वतंत्रता और सशक्तिकरण के मार्ग में वास्तविक बाधाएँ बनी हुई हैं। महिला–संबंधी विभिन्न मुद्दे कन्या शिशु हत्या और भ्रूण हत्या वैश्विक स्तर पर कन्या भ्रूण हत्या के उच्चतम दर वाले देशों में भारत एक है। पुत्र को जन्म की प्रबल इच्छा, दहेज की प्रथा और उत्तराधिकारी की पितृवंशीय आवश्यकता के कारण कन्या भ्रूण हत्या को बल मिलता है। वर्ष 2011 की जनगणना में 0–6 वर्ष आयु वर्ग में 914 का न्यूनतम लिंगानुपात दर्ज किया गया जहाँ एक दशक में बालिकाओं की संख्या 3 मिलियन तक कम हो गई (वर्ष 2001 में 8 मिलियन से घटकर वर्ष 2011 में 75.8 मिलियन)।

बालिकाएँ समय–पूर्व स्कूल छोड़ देती हैं और घरेलू कार्यों में संलग्न और प्रोत्साहित की जाती हैं। 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वीमन' के एक अध्ययन में पाया गया है कि स्कूल प्रणाली से बाहर मौजूद बालिकाओं के विवाह की संभावना 4 गुना अधिक होती है या स्कूल में नामांकित बालिकाओं की तुलना में उनका विवाह पहले ही तय हो चुका होता है। भारत में बालिकाओं को अपने घरों के अंदर और बाहर समुदायों में, दोनों ही जगह भेदभाव का सामना करना पड़ता है। भारत में असमानता का अर्थ है बालिकाओं के लिये असमान अवसर। पाँच वर्ष से कम आयु की बालिकाओं की मृत्यु दर बालकों की तुलना में 3 % अधिक है। वैश्विक स्तर पर बालकों के लिये यह आँकड़ा 14% अधिक है। बालकों और बालिकाओं दोनों के कुपोषित होने की संभावना लगभग एक सी ही होती है। लेकिन बालिकाओं के लिये पौष्टिकता ग्रहण, गुणवत्ता और मात्रा दोनों ही मामले में अपेक्षाकृत कम है। कच्ची आयु में गर्भधारण और बार–बार गर्भधारण के अतिरिक्त बोझ के कारण भी बालिकाओं का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। समाज की पितृसत्तात्मक प्रवृत्ति के कारण बालकों को अपेक्षाकृत अधिक पौष्टिक भोजन दिया जाता है क्योंकि उन्हें परिवार का कमाऊ भविष्य माना जाता है, विशेष रूप से यदि परिवार गरीब हो और सभी बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं हो। प्रजनन काल के दौरान महिलाओं की खराब पोषण स्थिति बच्चों के अल्पपोषण के लिये जिम्मेदार है। महिला स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति एनीमिया के जोखिम में वृद्धि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आँकड़े (2019–20) की तुलना में किशोर लड़कियों में एनीमिया में 5 % वृद्धि की पुष्टि करते हैं। महामारी–पूर्व की स्थिति व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण, 2019 से पता चलता है कि महामारी के पहले भी किशोरों के बीच विविध खाद्य समूहों की खपत कम थी। महामारी के बाद की स्थिति कोविड–19 ने विशेष रूप से महिलाओं, किशोरों और बच्चों के बीच आहार विविधता की स्थिति को और बदतर कर दिया है। 'टाटा–कॉर्नेल इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड न्यूट्रिशन' के एक अध्ययन के अनुसार, कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान भारत में महिलाओं की आहार विविधता में 42% की गिरावट आई जहाँ उन्होंने फल, सब्जियों और अंडे का कम सेवन किया। पोषण सेवाओं की आपूर्ति में कमी लॉकडाउन के कारण मध्याह्न भोजन कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ और किशोर लड़कियों के लिये स्कूलों में साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंट और पोषण शिक्षा में रुकावट आई। स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों को पोषण सेवाएँ प्रदान करने में निहित चुनौतियों से यह स्थिति और जटिल बनी, जिससे बदतर पोषण परिणामों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और बढ़ गई। आहार विविधता की आवश्यकता किशोरावस्था एक अवसर की खिड़की होती है जहाँ विशेष रूप से बालिकाओं के लिये पोषण संबंधी कमियों को दूर करने के लिये और शरीर में बेहद आवश्यक पोषक तत्वों की पुनःपूर्ति के लिये आहार विविधता अभ्यासों का निर्माण किया जा सकता है। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमीरू वर्तमान में 80% किशोर सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के कारण 'गुप्त भूख' से पीड़ित हैं। बालिकाओं में यह प्रवृत्ति और अधिक प्रचलित है जहाँ वे पहले से ही कई पोषण अभावों से पीड़ित हैं। न केवल आयरन और फोलिक एसिड की कमी बल्कि विटामिन बी 12, विटामिन डी और जिंक की कमी को दूर करने के लिये मौजूद पहलों को सशक्त करने की आवश्यकता है। महिला–केंद्रित निष्कर्ष राज्यवार उच्चतम और न्यूनतम स्तर महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा 48 के आँकड़े के साथ सर्वाधिक कर्नाटक में दर्ज की गई, जिसके बाद बिहार, तेलंगाना, मणिपुर और तमिलनाडु का स्थान रहा। महिला सशक्तिकरण महिला सशक्तिकरण संकेतकों ने अखिल भारतीय स्तर पर और चरण.प्प के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है। अखिल भारतीय स्तर पर महिलाओं द्वारा बैंक खातों के संचालन में और के बीच महत्त्वपूर्ण प्रगति (53 : से बढ़कर 79 :) दर्ज की गई है। दूसरे चरण के प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में 70: से अधिक महिलाओं के पास सक्रिय बैंक खाते मौजूद हैं। एनीमिया भारत के सभी राज्यों में एनीमिया की स्थिति बदतर हुई है (महिलाओं के लिये 1% से बढ़कर 57: और पुरुषों के लिये 22.7 से बढ़कर 25:)। ज्ञात हो कि 20–40: एनीमिया को मध्यम माना जाता है। केरल (39.4%) के अतिरिक्त अन्य सभी राज्य 'गंभीर' श्रेणी में शामिल नीतिगत हस्तक्षेपों में सुधार हाल ही में महिलाओं के लिये विवाह की कानूनी आयु को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने जैसे सुधारात्मक कदम स्वागतयोग्य हैं। महिला केंद्रित नीति निर्माण के साथ एक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है जहाँ महिलाओं को निष्क्रिय लाभार्थी के रूप में नहीं देखा जाए, बल्कि समाज के लिये संभावनाशील योगदानकर्ता के रूप में देखा जाए। सभी नीतियों और हस्तक्षेपों के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि बालिकाएँ स्कूल में बनी रहें या औपचारिक शिक्षा पूरी करें, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और उनके स्वास्थ्य एवं पोषण को प्राथमिकता दी जाए। तभी ऐसे उपाय बालिकाओं को उनके पोषण और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

रजनी मिश्रा

स्वयंसेविका, माता अनुसुईया इकाई

विश्व एड्स दिवस जागरूकता अभियान

माता अनुसुईया इकाई

एड्स के रोकथाम की जानकारी देती स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 01 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुइया इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ग्राम बैजनाथपुर में जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया।

इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित विश्व एड्स दिवस 2025 की थीम Overcoming disruption transforming the AIDS response" अर्थात "विघ्नों को पार करते हुए, एड्स नियंत्रण के प्रयासों को रूपांतरित करना" पर आधारित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जनसमुदाय को एचआईवी/एड्स के संबंध में वैज्ञानिक तथ्यों, रोकथाम के उपायों तथा इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों के निवारण के प्रति जागरूक करना था।

जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा आकर्षक एवं सूचनात्मक पोस्टरों की प्रस्तुति की गई, जिनमें एड्स के संक्रमण के कारण, इससे बचाव के उपाय, सरकारी योजनाओं तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी को सरल एवं प्रभावी रूप में प्रदर्शित किया गया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को बताया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ सामान्य संपर्क, साथ बैठने, भोजन साझा करने या हाथ मिलाने से संक्रमण नहीं फैलता। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त भेदभाव और गलत धारणाओं को समाप्त कर सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना था।

जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि एड्स के प्रति जागरूकता ही इस संक्रमण की रोकथाम का सबसे प्रमुख साधन है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और किशोरों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सत्यापित स्रोतों से प्राप्त करें तथा सुरक्षित व्यवहार अपनाकर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने घर-घर संपर्क कर लोगों को निःशुल्क परामर्श एवं परीक्षण सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही, ग्रामीणों को एचआईवी संक्रमण से बचाव हेतु काउंसलिंग, उपचार की उपलब्धता एवं सरकारी सहायता कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने सक्रिय भागीदारी प्रदर्शित की और अभियान के प्रति सराहना व्यक्त की। अंत में कार्यक्रम अधिकारी ने सभी स्वयंसेवकों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज को स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से सुरक्षित और संवेदनशील बनाया जा सके।

विश्व एड्स दिवस जागरूकता रैली

स्वामी विवेकानन्द इकाई

स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा निकाली गई एड्स जागरूकता रैली

दिनांक : 01 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानंद इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस 2025 के अवसर पर ग्राम जंगल कौड़िया में जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया।

इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित विश्व एड्स दिवस 2025 की थीम Overcoming disruption] transforming the AIDS response अर्थात "विघ्नों को पार करते हुए, एड्स नियंत्रण के प्रयासों को रूपांतरित करना" को केंद्र में रखते हुए रैली का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने थीम के अनुरूप एचआईवी/एड्स की रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार, नियमित परीक्षण की आवश्यकता तथा रोग से जुड़े मिथकों को दूर करने संबंधी संदेश ग्रामीण समुदाय तक पहुँचाए।

रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने पोस्टर, नारे और जागरूकता संदेशों के माध्यम से बताया कि एड्स का संक्रमण केवल सावधानी, जानकारी और जिम्मेदार व्यवहार से ही रोका जा सकता है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीतीश कुमार ने कहा कि "एड्स उन्मूलन की दिशा में समुदाय की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब समाज जागरूक होता है, तभी स्वास्थ्य संबंधी अभियानों का प्रभाव अधिक व्यापक रूप से दिखाई देता है।"

स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित यह जागरूकता रैली ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य–संदेशों के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

यह कार्यक्रम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीतीश कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

विकसित भारत-युवा कनेक्ट कार्यक्रम 2025

राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम के दौरान दीपप्रज्ज्वलन करते एवं सम्बोधित करते प्रशांत एच मेरवाड़े

दिनांक : 13 दिसम्बर, 2025। "विकसित भारत–युवा कनेक्ट कार्यक्रम 2025" का यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह के मार्गदर्शन एवं श्री प्रशान्त एच. मेरवाडे (युवा अधिकारी) प्रतिनिधि भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस गोष्ठी में यूथ आइकन, माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित स्वयंसेवक श्री अंकुर मिश्रा जी का सौहार्दपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक उद्बोधन स्वयंसेवकों के बीच हुआ। जिसमें उन्होने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि

जब हमारे देश का युवा उच्च आदर्शो एवं उद्देश्यों की भावना से परिपूर्ण होगा, तब हमारा भारतवर्ष एक अजेय शक्ति के रूप में विश्व पटल पर स्थापित होगा। उन्होने अपने उद्‌बोधन में प्रधानमंत्री जी के पंच प्रण एवं 11 संकल्पना का भी विस्तारपूर्वक विद्यार्थियों के मध्य संवाद स्थापित किया, उद्‌बोधन के क्रम में युवा अधिकारी श्री प्रशान्त एच. मेरवाडे जी ने स्वयंसेवको को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को भारत के विकास में अपना योगदान समर्पित करने हेतु हर सम्भव प्रयास तन, मन, धन से करना होगा, जिस हेतु हमें हमारे युवा आदर्श स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाओं और सिद्धान्तों का अधिकतम उपयोग कर आहूत करने की आवश्यकता है आज की हमारी संकल्पना 2047 के विकसित भारत का निर्माण करेगा। एक ऐसा राष्ट्र होगा जिसे दुनिया मील के पत्थर के रूप में न केवल स्वीकार करेगा बल्कि अपनी पलकें बिछाकर हमें शिरोधार्य करेगा।

उद्‌बोधन के क्रम में हम सभी के अभिभावक डॉ. सुरिन्दर सिंह (कुलपति) जी ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें विकास पथ पर अग्रगामी तो होना ही है परन्तु अन्य देशों को ध्यान में रखकर हमें अपने विकास की गति को बढ़ाना होगा। हमें दुनिया से दो कदम आगे बढ़कर विकासशील होने की हर सम्भव विधा जैसे तकनीकि, चिकित्सा, सुरक्षा, उद्यमिता एवं मानव निर्माण के पथ पर सतत् प्रयत्नशील होना पडेगा।

माननीय प्रधानमंत्री जी के विविध नवाचारों जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक, COWIN प्लेटफॉर्म और GeM जैसी पहलों को वैश्विक मान्यता प्राप्त हो चुकी है, जो डिजिटल नवाचार के लिए देश की प्रतिबद्धता को विश्व पटल पर रेखांकित करता है। भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में प्रगति कर रहा है, और इसके सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से आईटी और गैर–आईटी डोमेन में वैश्विक प्रमुखता प्राप्त की है। राष्ट्र एक संपन्न स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का दावा करता है, जो 340 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के संयुक्त मूल्यांकन के साथ 100 से अधिक यूनिकॉर्न की मेजबानी करता है, जो खुद को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में स्थापित करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के मंचासीन होने के पश्चात दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि से हुआ तत्पश्चात सरस्वती वंदना स्वयंसेवकों द्वारा गायन किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. रघुराम आचार्य ने गोष्ठी के अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

आभार ज्ञापन के क्रम में डॉ. आयुष कुमार पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन सम्मनित अतिथियों के किया गया उन्होनें अपने उद्‌बोधन में कहा कि युवा भारतवर्ष की अमूल्य निधि हैं जो भारत राष्ट्र को सम्प्रभुता के साथ विकसित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे । गोष्ठी का समापन राष्ट्रगीत "वंदे मातरम" के साथ हुआ।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त स्वयंसेवकों सहित कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, श्री श्रीकान्त उप कुलसचिव (प्रशासन), डॉ. मनीष त्रिपाठी, स्वयंसेवक निखिल प्रकाश पाण्डेय (संचालक), आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

यौन उत्पीड़न रोकथाम जागरूकता अभियान

अष्टावक्र इकाई

यौन उत्पीड़न रोकथाम के बारे में जानकारी देते आचार्य साध्वीनंदन पाण्डेय एवं श्री अश्वनी कुमार

दिनांक : 17 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की अष्टावक्र इकाई द्वारा गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कालेज में "यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण" विषय पर एक जागरूकता–परक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, चिकित्सकों एवं शिक्षकों को कार्यस्थल और शैक्षणिक परिसरों में सुरक्षित, सम्मानजनक एवं संवेदनशील वातावरण के निर्माण हेतु सजग करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने अपने प्रभावशाली उद्‌बोधन में कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौन रहना या भयवश शिकायत न करना समस्या को और गंभीर बनाता है। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, परस्पर सम्मान की संस्कृति विकसित करें और किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज उठाएँ। साथ ही, उन्होंने संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका को भी रेखांकित किया।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानून के साथ–साथ नैतिक शिक्षा, संवेदनशील संवाद और सकारात्मक संस्थागत संस्कृति आवश्यक है।

वरिष्ठ चिकित्सक रोल–मॉडल होते हैं, अतः उनके आचरण से ही विद्यार्थियों में सम्मान और अनुशासन की भावना विकसित होती है। उन्होंने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की

आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिक उत्तरदायित्व का निर्माण है। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके।

उन्होंने यह भी कहा कि आत्मसम्मान, समानता और पारस्परिक मर्यादा भारतीय संस्कृति के मूल मूल्य हैं, और इन्हें व्यवहार में उतारना ही वास्तविक समाधान है।

आयुर्वेद कालेज के कमेटी अगेंस सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ विष्णुमाया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस विद्यार्थी व स्वयंसेवक शिवांश ने किया। अंत में प्रश्न–उत्तर सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम ने उपस्थितजनों में जागरूकता, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम में संस्थान के डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ संध्या, डॉ नवोदय राजू, डॉ विनम्र, डॉ अर्पित, डॉ ब्रह्मदेव सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई,और भारद्वाज इकाई के एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

एकदिवसीय शिविर

आत्रेय इकाई

एकदिवसीय शिविर इम्युनिटी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 18 दिसम्बर, 2025। आयुर्वेद कॉलेज के एनएसएस यूनिट, विशेष रूप से आत्रेय यूनिट द्वारा बलापार गांव में आयोजित इम्युनिटी जागरूकता एवं सर्वेक्षण शिविर ने समुदाय स्वास्थ्य cनजतमंबी गतिविधियों के अंतर्गत आयुर्वेदिक सिद्धांतों 'स्वास्थ्य रक्षण' (रोग निवारण, स्वास्थ्य संरक्षण एवं ओजस् निर्माण) को आधुनिक सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेशों के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया।

इस एकदिवसीय शिविर में लगभग 200 ग्रामीणों ने भाग लिया, जहां स्वयंसेवकों ने आयुर्वेदिक औषधियों, पौष्टिक आहार, दैनिक योग–अभ्यास, प्राणायाम तथा मौसमी रोगों से बचाव के उपायों पर विस्तृत जागरूकता सत्र आयोजित किए, जिससे ग्रामीणों को बेहतर रोगप्रतिरोधक क्षमता एवं समग्र शारीरिक–मानसिक कल्याण की दिशा में प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम ने आयुर्वेद संस्थान और स्थानीय समुदाय के बीच मजबूत एवं सतत संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, नाड़ी परीक्षण, आयुर्वेदिक जीवनशैली पर व्याख्यान तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, पोषण अभियान, कोविड–19 टीकाकरण तथा मलेरिया उन्मूलन अभियान के प्रति ग्रामीणों को संवेदनशील बनाया।

इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्थिति, आहार आदतों एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता का डेटा संग्रहित किया गया, जो भविष्य के स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए यह शिविर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्य, वैज्ञानिक सर्वेक्षण विधियों, डेटा विश्लेषण, टीम वर्क तथा वास्तविक ग्रामीण परिस्थितियों में कक्षा के आयुर्वेदिक ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग का अमूल्य हाथों–हाथ अनुभव प्रदान करने वाला साबित हुआ।

यह कार्यक्रम एनएसएस के मूल उद्देश्यों समुदाय सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी बोध तथा ग्रामीण भारत के उत्थान में योगदान के पूर्णतः अनुरूप रहा, जिससे स्वयंसेवकों में सेवाभावना एवं व्यावसायिक कौशल दोनों का समग्र विकास हुआ।

एकदिवसीय शिविर

दिनांक : 18 दिसम्बर, 2025। गेरखपुर आयुर्वेद कॉलेज के एनएसएस भारद्वाज यूनिट ने समुदाय स्वास्थ्य Outreach पहलों के अंतर्गत बैजनाथपुर गांव में एक अत्यंत प्रभावशाली इम्युनिटी जागरूकता एवं सर्वेक्षण शिविर का सफल आयोजन किया। आयुर्वेदिक 'स्वास्थ्य रक्षण' (रोग निवारण, ओजस् निर्माण एवं स्वास्थ्य संरक्षण) सिद्धांतों को समकालीन सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेशों के साथ कुशलतापूर्वक समन्वित करते हुए, इस एकदिवसीय शिविर में लगभग 250 ग्रामीणों ने भाग लिया। स्वयंसेवकों ने पौष्टिक आहार, दैनिक योग–प्राणायाम, मौसमी रोगों से बचाव, आयुर्वेदिक औषधियों तथा स्वस्थ जीवनशैली पर विस्तृत जागरूकता सत्र आयोजित किए, जिससे ग्रामीणों को मजबूत रोगप्रतिरोधक क्षमता

भारद्वाज इकाई

एकदिवसीय के दौरान स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

एवं समग्र शारीरिक–मानसिक कल्याण प्राप्ति के लिए प्रेरित किया गया। आयुर्वेद एनएसएस भारद्वाज विंग के 35 छात्र स्वयंसेवकों ने समुदाय को एकजुट करने, सर्वेक्षण अभियान का नेतृत्व करने तथा परस्पर संवादात्मक स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों का संचालन किया। आयुर्वेद कॉलेजों के एनएसएस यूनिटों की स्थापित परंपरा के अनुरूप, जो नियमित रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, नाड़ी परीक्षण, आयुर्वेदिक परामर्श एवं ग्रामीण Outreach कार्यक्रम आयोजित करते हैं, यह शिविर सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं समुदाय भागीदारी के मूल्यों का जीवंत प्रतीक सिद्ध हुआ।

इस शिविर ने आयुर्वेद संस्थान एवं स्थानीय निवासियों के बीच सतत एवं मजबूत संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, नाड़ी परीक्षण, आयुर्वेदिक जीवनशैली पर विशेष व्याख्यान तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे आयुष्मान भारत एवं जननी सुरक्षा योजना के प्रति व्यापक जागरूकता प्रदान की। सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्थिति, आहार आदतों, स्वच्छता प्रथाओं एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता का वैज्ञानिक डेटा संग्रहित किया गया, जो भविष्य के लक्षित स्वास्थ्य हस्तक्षेपों हेतु उपयोगी सिद्ध होगा।

एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए यह कार्यक्रम सार्वजनिक स्वास्थ्य संचालन, वैज्ञानिक सर्वेक्षण तकनीकों, डेटा विश्लेषण, टीम वर्क तथा वास्तविक ग्रामीण चुनौतियों में कक्षा के आयुर्वेदिक ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग का अमूल्य हाथों–हाथ अनुभव प्रदान करने वाला साबित हुआ।

यह पहल समुदाय सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी बोध तथा ग्रामीण भारत के स्वास्थ्य उत्थान में योगदान के एनएसएस के मूल लक्ष्यों के साथ पूर्णतः संनादित रही।

भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक

दिनांक : 20 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सुशासन का महत्व पर भाषण एवं काव्य प्रतियोगितामहायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की उपलब्धियों के परिप्रेक्ष्य में सुशासन का महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं काव्य पाठ का भव्य आयोजन किया गया।

20 दिसंबर 2025 को संपन्न इस प्रतियोगिता में एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने मौलिक विचारों को स्पष्टता से व्यक्त किया तथा कविता पाठ के जरिए अटल जी के अमर विचारों को स्मरण किया। निर्णायक मंडल में डॉ. प्रज्ञा सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, BAMS एवं श्री अश्वनी कुमार (समाजसेवी) ने अपना बहुमूल्य समय दिया। डॉ. प्रज्ञा सिंह ने प्रतिभागियों को मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान किया और आगामी प्रतियोगिताओं हेतु शुभकामनाएं दीं। वहीं, श्री अश्वनी कुमार ने विद्यार्थियों को अटल जी के ओजस्वी जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर लक्ष्यों पर अडिग रहने की सलाह दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के दर्शन का भी स्मरण कराया, कहते हुए कि 'जैसे स्वामीजी ने शिकागो धर्म संसद में विश्व को भारत की आध्यात्मिकता से परिचित कराया, वैसे ही युवाओं को अपने कर्तव्य और सेवा भाव से सुशासन की नींव मजबूत करनी चाहिए। स्वामी विवेकानंद जी का उद्घोष 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न होश प्रत्येक छात्र के जीवन का मंत्र बनना चाहिए।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवम् पाण्डेय ने प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान सुमित मिश्रा एवं सौम्या पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा काव्य पाठ प्रतियोगिता में विवेक राज ने प्रथम, सृष्टि यादव ने द्वितीय एवं वैष्णवी पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एनएसएस माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के कुशल निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डा मनीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ इस अवसर पर शिवाजी इकाई व पारिजात के कार्यक्रम अधिकारी क्रमशः श्री अनिल पटेल, डा. आयुष कुमार पाठक, मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन डिप्लोमा इन फार्मेसी प्रथम वर्ष के छात्र श्री मानस शर्मा ने किया।

कम्बल वितरण समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करते हुए डॉ. जी. एन. सिंह एवं पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी

दिनांक : 20 दिसम्बर, 2025। उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड तथा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा दिनांक 20 दिसंबर 2025 (शनिवार) को कंबल वितरण समारोह का धूमधाम से आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम शीतकालीन ठंड की मार झेल रहे जरूरतमंद ग्रामवासियों को सहारा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें कुल 250 उच्च गुणवत्ता वाले कंबल वितरित किए गए। इस पुनीत कार्य ने समाज के अंतिम पंक्ति तक सेवा पहुंचाने की भावना को साकार किया।

समारोह की अध्यक्षता मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, पूर्व कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने की, जबकि मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह, वैज्ञानिक सलाहकार, उत्तर प्रदेश सरकार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री एस.के. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज, श्री सौरभ जैन एम.डी. मैजिक गोल्ड क्रिएसन मुरादाबाद, श्री बीर सेन सिंह, एम.डी. उषा फोम प्रा.लि. गीडा, श्री विष्णु अजीत सरिया एम.डी. वी एन डायर्स गोरखपुर, ग्राम प्रधान ओमप्रकाश चौहान, आदि गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम स्थल पर एनएसएस स्वयंसेवकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति ने इसे एक सामूहिक उत्सव का रूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक सरस्वती वंदना से हुआ, तत्पश्चात डॉ. मनीष त्रिपाठी, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक ने अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने गुरु श्री गोरखनाथ जी के सेवा–भाव, लोककल्याण और मानवता के प्रति अटूट समर्पण को रेखांकित किया।

उन्होंने आगे कहा कि गुरु गोरखनाथ के आदर्शों का अनुसरण करते हुए यह कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, ताकि कड़ाके की सर्दी में असहाय लोगों को गर्माहट और राहत मिल सके। डॉ. त्रिपाठी ने उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड के इस सराहनीय सामाजिक योगदान की हृदय से प्रशंसा की, जो न केवल शारीरिक सहायता प्रदान करता है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है।

उद्बोधन के क्रम में विशिष्ट अतिथि श्री एस.के. अग्रवाल ने उद्योग जगत की सामाजिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उषा फोम के प्रयासों को प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. जी. एन. सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में समाज सेवा की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोगात्मक प्रयास सामाजिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होते हैं, जो आर्थिक असमानता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी भारतीय संत परंपरा के ऐसे महायोगी हैं जिन्होंने नाथ पंथ के माध्यम से योग, तप, सेवा और लोककल्याण की अद्भुत परंपरा स्थापित की।

नाथ संप्रदाय निष्काम कर्म, आत्मानुशासन और समाज के प्रति समर्पित सेवा को साधना का ही एक रूप मानता है, जहाँ लोकमंगल ही वास्तविक योग और भक्ति माना जाता है।

श्री गोरक्षपीठ की यह गौरवशाली विरासत शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के माध्यम से निरंतर समाज को दिशा देती रही है, जिसका विस्तार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की स्थापना से और भी व्यापक हुआ है। यह विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद, आधुनिक चिकित्सा, नर्सिंग, तकनीकी तथा कौशल विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट शिक्षा और शोध के माध्यम से पूर्वांचल ही नहीं, सम्पूर्ण देश के आरोग्य और उत्थान में योगदान दे रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श "स्वयं से पहले समाज" नाथ संत परंपरा की इसी लोककल्याणकारी भावना से गहराई से जुड़ा हुआ है। कम्बल वितरण जैसे कार्यक्रम केवल वस्त्र वितरण नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और

मानवीय गर्माहट पहुँचाने का माध्यम हैं, जो गुरु गोरखनाथ जी के करुणा, सेवा और समरसता के संदेश को व्यवहार में उतारते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा, 'नर सेवा ही नारायण सेवा' का यह आदर्श आज के इस समारोह में चरितार्थ हो रहा है। कड़ाके की ठंड में यह पुनीत कार्य न केवल जरूरतमंदों को शारीरिक राहत देगा, बल्कि सामाजिक एकजुटता को भी मजबूत करेगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे निरंतर ऐसे सेवा कार्यों में भागीदारी करें।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, डॉ डी एस अजीथा, प्राचार्या नर्सिंग कालेज श्री श्रीकान्त उप कुलसचिव प्रशासन, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक, सुश्री सुमन यादव, सुश्री कविता साहनी एवं सुश्री गरिमा पाण्डेय श्री वत्स त्रिवेदी, शारदानंद पांडेय तथा विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी, शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में, लाभार्थियों को कंबलों का वितरण किया गया, जिसके दौरान वितरित कंबलों की गुणवत्ता और मात्रा की सभी ने भूरि–भूरि प्रशंसा की। यह आयोजन न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करने वाला था, बल्कि भविष्य में ऐसे और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करने को तैयार हैं।

बाल विवाह जागरूकता अभियान

मैत्रेयी इकाई

बाल विवाह के प्रति जागरूकत करतीं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 21 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंतर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की मैत्रेयी इकाई द्वारा ग्राम देवीपुर एवं सोनबरसा में बाल विवाह रोकथाम एवं सामाजिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं वंचित समुदायों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराना, बच्चों के अधिकारों की जानकारी देना तथा स्वास्थ्य, पोषण और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामीण परिवारों को बाल विवाह की कानूनी आयु, इससे संबंधित दंडात्मक प्रावधानों तथा इसके सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर प्रभावों की विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से किशोरियों, अभिभावकों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें बाल विवाह रोकने, बालिकाओं की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने तथा उन्हें सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम देवीपुर में एनएसएस स्वयंसेवकों ने पोस्टर एवं चार्ट के माध्यम से पोषण, शिक्षा, बाल अधिकार एवं बाल विवाह

से होने वाली हानियों पर समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर एवं संवाद सत्र आयोजित किए।

वहीं ग्राम सोनबरसा की झुग्गी/बस्तियों में स्वयंसेवकों ने घर/घर जाकर माता/पिता एवं युवाओं से व्यक्तिगत संपर्क किया, बाल विवाह के विरुद्ध सामूहिक संकल्प दिलवाया तथा किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडेय ने कहा कि बाल विवाह समाज के समग्र विकास में एक बड़ी बाधा है, जिसे जनभागीदारी एवं सतत जागरूकता के माध्यम से ही समाप्त किया जा सकता है। यह अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना के "नॉट मी, बट यू" के मूलमंत्र को साकार करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध हुआ।

एकदिवसीय शिविर

अष्टावक्र इकाई

एकदिवसीय शिविर में आयुर्वेदिक स्वस्थ जीवनशैली पर जागरूक करती स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 22 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की अष्टावक्र इकाई द्वारा एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत आयुर्वेदिक स्वस्थ जीवनशैली जागरूकता अभियान का आयोजन मानीराम गांव में किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों को आयुर्वेद आधारित जीवन–पद्धति अपनाने हेतु प्रेरित करना तथा शीत ऋतु में स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के संचालक एवं शिविर संयोजक, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत शीत ऋतु में आहार–विहार, पथ्य एवं अपथ्य आहार तथा दिनचर्या के महत्व पर विशेष रूप से बल दिया गया।

नागरिकों को दिनचर्या व ऋतुचर्या चार्ट के माध्यम से यह समझाया गया कि किस प्रकार ऋतु के अनुसार आहार–विहार अपनाकर रोगों से बचाव किया जा सकता है और स्वास्थ्य को दीर्घकाल तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

अपने उद्बोधन में आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने का विज्ञान है। शीत ऋतु में संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, स्वच्छता और ऋतुचर्या का पालन कर अनेक मौसमी एवं अस्वच्छता जनित रोगों से बचा जा सकता है। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक आयुर्वेदिक स्वास्थ्य संदेश पहुँचाने का आह्वान किया।

शिविर के अंतर्गत मानीराम प्राथमिक विद्यालय में भी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, अस्वच्छता जनित बीमारियों की रोकथाम तथा आयुर्वेदिक जीवनशैली के महत्व पर सरल एवं प्रभावी ढंग से जानकारी दी गई।

बच्चों को स्वच्छता अपनाने, संतुलित भोजन करने और स्वस्थ आदतें विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

एकदिवसीय शिविर में एनएसएस की अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवकों एवं चिकित्सकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बीएएमएस विद्यार्थियों ने घर–घर जाकर नागरिकों से संवाद स्थापित किया तथा उन्हें आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाने से होने वाले लाभों जैसे रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, बौद्धिक विकास एवं संपूर्ण स्वास्थ्य संरक्षण के विषय में विस्तार से अवगत कराया।

इस अभियान के माध्यम से क्षेत्रीय नागरिकों में आयुर्वेद के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिली। स्थानीय नागरिकों एवं विद्यालय प्रशासन द्वारा एनएसएस अष्टावक्र इकाई के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना की गई।

जनपद स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

चयनित अभ्यर्थी विवेक राज एवं सौम्या पाण्डेय

दिनांक : 22 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत आयोजित जनपद स्तरीय भाषण एवं काव्यपाठ प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय से कुल 06 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 03 विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता तथा 03 विद्यार्थियों ने काव्यपाठ प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

प्रतियोगिता का आयोजन जनपद स्तर पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर

राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय सिविल लाइन्स गोरखपुर किया गया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन विषयवस्तु, प्रस्तुति, भाषा–शैली तथा प्रभावशीलता के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा किया गया।

निर्णायक मंडल के निर्णयानुसार भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की शिवाजी इकाई की स्वयंसेविका सौम्या पाण्डेय ने भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं स्वयंसेवक विवेक राज ने काव्यपाठ प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की।

प्रतियोगिता में विजयी रहे इन दोनों विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए आगामी 25 दिसम्बर 2025 को विकास भवन, गोरखपुर में आयोजित सम्मान समारोह में पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर का संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार दोनों विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित करता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विश्वविद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस प्रकार के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सहभागिता को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा।

एकदिवसीय शिविर

एकदिवसीय शिविर में नुक्कड़ नाटक करते स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 24 दिसम्बर, 2025। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की अष्टावक्र इकाई द्वारा आज रहमत नगर, मानीराम में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों आयुर्वेद कालेज के बीएएमएस विद्यार्थियों द्वारा मानीराम गांव का भ्रमण किया गया तथा ग्रामीण जनों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी

अष्टावक्र इकाई

महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं मासिक धर्म स्वच्छता जैसे संवेदनशील और अत्यंत आवश्यक विषयों पर नुक्कड़ नाटक एवं सशक्त नारों के माध्यम से जन–जागरूकता अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल नारे तक सीमित न रहकर व्यवहार में उतरना चाहिए। मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता महिलाओं के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान से सीधे जुड़ी हुई है।

एनएसएस के स्वयंसेवक समाज के लिए सेतु का कार्य करते हैं और ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सकारात्मक सोच का निर्माण होता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला है।

स्वयंसेवकों ने सरल भाषा और प्रभावी प्रस्तुति के द्वारा महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता अपनाने, भ्रांतियों को दूर करने तथा आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति समझ विकसित करना, मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ना तथा समाज में सकारात्मक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना रहा।

इस एक दिवसीय शिविर में अष्टावक्र इकाई के सभी एनएसएस स्वयंसेवकों, बीएएमएस विद्यार्थियों, चिकित्सकों की सक्रिय सहभागिता रही, जिनके प्रयासों की ग्रामीणों द्वारा सराहना की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री जन्म शताब्दी समारोह

दिनांक : 25 दिसम्बर, 2025।
'भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की छात्रा सौम्या पाण्डेय एवं विवेक राज हुए सम्मानित, विधायक और महापौर ने किया पुरस्कृत'

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के दो विद्यार्थियों क्रमशः सौम्या पाण्डेय एवं विवेक राज को उनकी की अपनी वाकपटुता, मेधा एवं काव्य लेखनी के बल पर जनपद स्तर पर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित कर व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल कर खुद का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के 'जन्म शताब्दी समारोह' के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

25 दिसम्बर को श्सुशासन दिवसश के अवसर पर विकास भवन, गोरखपुर में आयोजित राजकीय समारोह में मुख्य अतिथि 'विपिन सिंह (विधायक, गोरखपुर ग्रामीण)' एवं 'डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव (महापौर, गोरखपुर)' द्वारा सौम्या पाण्डेय एवं विवेक राज को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुरस्कृत दोनों विद्यार्थी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की श्शिवाजी इकाई से सम्बद्ध है। स्वयंसेविका सौम्या पाण्डेय ने अपनी प्रभावशाली वाकपटुता से निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध किया जिस हेतू द्वितीय स्थान निणार्यक मंडल द्वारा दिया गया। वहीं काव्य पाठ प्रतियोगिता में विवेक राज को उनकी काव्य लेखनी हेतु तृतीय स्थान दिया गया।

समारोह के दौरान लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने संबोधन में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदानों को स्मरण कर विजेता प्रतिभागीयों को आशीष दिया।

विश्वविद्यालय परिवार दोनों विद्यार्थियों के इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें बधाई दी तथा साथ ही शिवाजी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल कुमार पटेल जी के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

राष्ट्रीय सेवा योजना

पुरस्कृत चयनित अभ्यर्थी विवेक राज एवं सौम्या पाण्डेय

वीर बाल दिवस

दिनांक : 26 दिसम्बर, 2025।
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रा.से.यो.) की शिवाजी इकाई द्वारा वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों को वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व से अवगत कराना तथा उनमें देशभक्ति, त्याग और बलिदान की भावना का विकास करना था। गोष्ठी के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं एवं स्वयंसेवकों ने वीर बाल दिवस की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि यह दिवस गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के अद्वितीय साहस, धर्मनिष्ठा और बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। कम आयु में भी साहिबजादों ने जिस दृढ़ संकल्प और निडरता के साथ अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष

शिवाजी इकाई

वीर बाल दिवस पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

किया, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत एवं अनुकरणीय है।

इस अवसर पर सहायक आचार्य डॉ. रवि निषाद ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि "वीर बाल दिवस केवल इतिहास स्मरण का दिवस नहीं है, बल्कि यह युवाओं में नैतिक साहस, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यबोध जागृत करने का सशक्त माध्यम है। साहिबजादों का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए आत्मबल और दृढ़ इच्छाशक्ति अत्यंत आवश्यक है।" उन्होंने युवाओं से इन आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन सुश्री तनुश्री द्वारा किया गया। गोष्ठी में सौम्या पाण्डेय, विवेक राज, उत्कर्ष पाण्डेय, सूरज वर्मा, तनय, राजेश्वरी त्रिपाठी एवं नुपुर राव ने विषय से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने का प्रभावी मंच प्रदान करती है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाने के संकल्प के साथ हुआ।

वीर बाल दिवस

माता अनुसुईया इकाई

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करतीं कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव

दिनांक : 26 दिसम्बर, 2025। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की माता अनुसुईया इकाई द्वारा 'वीर बाल दिवस' का गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रभक्ति, साहस एवं त्याग की प्रेरणा प्रदान करना तथा वीर बालकों के अद्वितीय बलिदान से अवगत कराना रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुमन यादव ने अपने उद्‌बोधन में वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, "वीर बाल दिवस हमें यह सन्देश देता है कि आयु कभी भी साहस और संकल्प की सीमा नहीं होती।

गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों ने अल्पायु में ही अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।"

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेविकाओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए वीर बालकों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

एक स्वयंसेविका ने कहा कि, "वीर बाल दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों के प्रति

जागरूक करने का अवसर प्रदान करता है।

हमें उनके साहस और दृढ़ता से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए।" अन्य स्वयंसेविकाओं ने भी राष्ट्रहित, अनुशासन एवं सेवा भावना को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित छात्र–छात्राओं एवं स्वयंसेविकाओं ने राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

यह आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने तथा उन्हें आदर्श नागरिक बनने हेतु प्रेरित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

समाचार पत्रों में सेवापथ

रासेयो स्वयंसेवकों ने गांव में लगाया विशेष जागरूकता शिविर

गोरखपुर (न.अ.प्र.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता अनुसुईया इकाई के

स्वयंसेवकों ने ग्राम बैजनाथपुर में द्वितीय एकदिवसीय विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

पांच समूहों में विभक्त होकर रासेयो स्वयंसेवकों ने मिशन शक्ति 5.0, नशा मुक्ति, स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य एवं पोषण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी डीलर उन्हें जागरूक किया। शिविर में ग्राम प्रधान द्रौपदी देवी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है तथा लोगों को व्यवहारगत परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिलती है। शिविर का आयोजन माता अनुसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में किया गया।

एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थियों में लिया एनबीआरआई में प्रशिक्षण

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि संकाय के सप्तम सेमेस्टर के 30 विद्यार्थियों ने विगत दिनों लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान एनबीआरआई में 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। कृषि संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दूबे ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो विशेष इकाइयों में विभाजित किया गया था। 15 विद्यार्थियों ने प्लांट टिशू कल्चर यूनिट में विस्तृत प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा विद्यार्थियों को टिशू कल्चर तकनीक की मूल अवधारणाओं, मीडिया प्रिपेरेशन, न्यूट्रिएंट फॉर्मुलेशन, एसेप्टिक कंडीशन में कार्य करने की विधि, कॉलस इंडक्शन, शूट एवं रूट रीजेनेरेशन, हार्डनिंग प्रक्रिया तथा पौधों के सूक्ष्म संवर्धन के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने प्रयोगशाला में व्यावहारिक कार्य करके यह सीखा कि

किस प्रकार टिशू कल्चर तकनीक का प्रयोग गुणवत्तापूर्ण पौध प्रतिरूपण, रोगमुक्त पौध उत्पादन तथा वाणिज्यिक पौध संवर्धन में किया जाता है। दूसरी ओर, 15 विद्यार्थियों ने बायो फर्टिलाइज़र यूनिट में 15 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहां उन्हें जैव उर्वरकों के महत्व, निर्माण प्रक्रिया तथा कृषि में उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने राइजोबियम, ऐजोस्पिरिलम, पीएसबी जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीवों की पहचान, संवर्धन विधि, कैरियर सामग्री की तैयारी, पैकेजिंग एवं गुणवत्ता परीक्षण तकनीकों का गहन अध्ययन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

दस दिवसीय एटीसी में शामिल होंगे एमजीयूजी के एनसीसी कैडेट्स

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 50 एनसीसी कैडेट्स, परमहंस पाल पीजी कॉलेज गुरौली सिसवा बाजार महाराजगंज में होने वाले 102 यूपी बटालियन एनसीसी के दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर एटीसी में शामिल होंगे। एटीसी में प्रतिभाग करने वाले एनसीसी कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स को राष्ट्र सेवा का संकल्प मिलेगा। कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा कि वार्षिक प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स का सर्वांगीण विकास होता हैं। शिविर में कैडेट्स का नेतृत्व करने वाले लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर कैडेट्स में नेतृत्व क्षमता भी विकसित करेगा।

गीता के उपदेश सदैव प्रासंगिक : अश्विनी'

'महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाई गई गीता जयंती'

संवाददाता

'गोरखपुर।' महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में सोमवार को गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आयुष वाटिका के प्रभारी अश्विनी ने कहा कि गीता केवल एक ग्रंथ ही नही बल्कि जीवन के मार्गदर्शन का स्वरूप भी है। इसके उपदेश सदैव प्रासंगिक हैं। अश्विनी ने कहा कि मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र की पवित्र रणभूमि में अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेश की स्मृति में गीता जयंती मनाई जाती है।

यह वही क्षण था जब मोह, शंका और द्वंद्व से घिरे अर्जुन को श्रीकृष्ण ने धर्म, कर्तव्य और जीवन के परम सत्य का ज्ञान कराया। उन्होंने कहा कि गीता जयंती समारोह का आयोजन आज के नई पीढ़ी को भारतीय संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता एक ग्रंथ ही नहीं अपितु प्रत्यक्ष नारायण का ही स्वरूप है। हमें अपने जीवन में गीता के ज्ञान को अपनाकर सकारात्मक सोच विकसित कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। आभार ज्ञापन बायोटेक्नोलॉजी विभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित दुबे ने किया।

रासेयो स्वयंसेवकों ने गांव में लगाया विशेष जागरूकता शिविर'

गोरखपुर, 1 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता अनुसुईया इकाई के स्वयंसेवकों ने ग्राम बैजनाथपुर में द्वितीय एकदिवसीय विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया। पांच समूहों में विभक्त होकर रासेयो स्वयंसेवकों ने मिशन शक्ति 5.0, नशा मुक्ति, स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य एवं पोषण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी डीलर उन्हें जागरूक किया। शिविर में ग्राम प्रधान द्रौपदी देवी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है तथा लोगों को व्यवहारगत परिवर्तन के लिए प्रेरणा मिलती है। शिविर का आयोजन माता अनुसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव की देखरेख में किया गया।

दस दिवसीय एटीसी में शामिल होंगे एमजीयूजी के एनसीसी कैडेट्स

गोरखपुर (ब्यूरो)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 50 एनसीसी कैडेट्स, परमहंस पाल पीजी कॉलेज गुरौली सिसवा बाजार महाराजगंज में होने वाले 102 यूपी बटालियन एनसीसी के दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी) में शामिल होंगे। एटीसी में प्रतिभाग करने वाले एनसीसी कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स को राष्ट्र सेवा का संकल्प मिलेगा। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि वार्षिक प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स का सर्वांगीण विकास होता हैं। शिविर में कैडेट्स का नेतृत्व करने वाले लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर कैडेट्स में नेतृत्व क्षमता भी विकसित करेगा।

एमजीयूजी के कृषि विद्यार्थियों में लिया एनबीआरआई में प्रशिक्षण

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 1 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के कृषि संकाय के सप्तम सेमेस्टर के 30 विद्यार्थियों ने विगत दिनों लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) में 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो विशेष इकाइयों में विभाजित किया गया था। 15 विद्यार्थियों ने प्लांट टिशू कल्चर यूनिट में विस्तृत प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा विद्यार्थियों को टिशू कल्चर तकनीक की मूल अवधारणाओं, मीडिया प्रिपेरेशन, न्यूट्रिएंट फॉर्मुलेशन, एसेप्टिक कंडीशन में कार्य करने की विधि, कॉलस इंडक्शन, शूट एवं रूट रीजेनेरेशन, हार्डनिंग प्रक्रिया तथा पौधों के सूक्ष्म संवर्धन के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने प्रयोगशाला में व्यावहारिक कार्य करके यह सीखा कि किस प्रकार टिशू कल्चर तकनीक का प्रयोग गुणवत्तापूर्ण पौध प्रतिरूपण, रोगमुक्त पौध उत्पादन तथा वाणिज्यिक पौध संवर्धन में किया जाता है।

दूसरी ओर, 15 विद्यार्थियों ने बायोफर्टिलाइज़र यूनिट में 15 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहां उन्हें जैव उर्वरकों के महत्व, निर्माण प्रक्रिया तथा कृषि में उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने राइजोबियम, ऐजोस्पिरिलम, पीएसबी जैसे लाभकारी सूक्ष्मजीवों की पहचान, संवर्धन विधि, कैरियर सामग्री की तैयारी, पैकेजिंग एवं गुणवत्ता परीक्षण तकनीकों का गहन अध्ययन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता पर एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

गीता के उपदेश सदैव प्रासंगिक : अश्विनी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाई गई गीता जयंती

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 1 दिसंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय में सोमवार को गीता जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आयुष वाटिका के प्रभारी अश्विनी ने कहा कि गीता केवल एक ग्रंथ ही नहीं बल्कि जीवन के मार्गदर्शन का स्वरूप भी है। इसके उपदेश सदैव प्रासंगिक हैं।

अश्विनी ने कहा कि मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र की पवित्र रणभूमि में अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेश की स्मृति में गीता जयंती मनाई जाती है। यह वही क्षण था जब मोह, शंका और द्वंद्व से घिरे अर्जुन को श्रीकृष्ण ने धर्म, कर्तव्य और जीवन के परम सत्य का ज्ञान कराया। उन्होंने कहा कि गीता जयंती समारोह का आयोजन आज के नई पीढ़ी को भारतीय संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता एक ग्रंथ ही नहीं अपितु प्रत्यक्ष नारायण का ही स्वरूप है। हमें अपने जीवन में गीता के ज्ञान को अपनाकर सकारात्मक सोच विकसित कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। आभार ज्ञापन बायोटेक्नोलॉजी विभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित दुबे ने किया।

दस दिवसीय एटीसी में शामिल होंगे एमजीयूजी के एनसीसी कैडेट्स

सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स को मिलेगा राष्ट्र सेवा का संकल्प : कुलपति

गोरखपुर (न.अ.प्र.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के 50 एनसीसी कैडेट्स, परमहंस पाल पीजी कॉलेज गुरौली सिसवा बाजार महाराजगंज में होने वाले 102

यूपी बटालियन एनसीसी के दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी) में शामिल होंगे।

एटीसी में प्रतिभाग करने वाले एनसीसी कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए एमजीयूजी के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स को राष्ट्र सेवा का संकल्प मिलेगा। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि वार्षिक प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स का सर्वांगीण विकास होता हैं। शिविर में कैडेट्स का नेतृत्व करने वाले लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर कैडेट्स में नेतृत्व क्षमता भी विकसित करेगा।

समाचार पत्रों में सेवापथ

एमजीयूजी के छात्रों को प्रदान की गई योग्यता छात्रवृत्ति

गोरखपुर(एसएनबी)। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के विभिन्न विभागों के छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई। एमजीयूजी में गुरुवार को पुरस्कार वितरण समारोह में जिन विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया उन्हें नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अपनी कक्षाओं में किया था उत्कृष्ट प्रदर्शन

एमजीयूजी के छात्रों को वितरण किया गया योग्यता छात्रवृत्ति। फोटो : एसएनबी

पुरस्कार वितरण में नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय, आयुर्वेद कॉलेज, स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, फार्मास्यूटिकल संकाय, मेडिकल कॉलेज, कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों तथा एनसीसी के कैडेट्स ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने किया।

छात्रों को प्रेरित करते हुए डॉ. जीएन सिंह ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कुलपति ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के मार्गदर्शन में हुए आयोजन में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. गिरधर वेदांतम, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति, डॉ. हरिओम शरण, रोहित कुमार श्रीवास्तव, डा. डीएस अजीथा, डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित सभी संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन वैभव सिंह और आभार ज्ञापन श्रेया ने किया।

उत्कृष्ट परिणामों के लिए एमजीयूजी के छात्रों को प्रदान की गई योग्यता छात्रवृत्ति

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के विभिन्न विभागों के छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एमजीयूजी में गुरुवार को पुरस्कार वितरण समारोह में जिन विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया उन्हें नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण में नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय, आयुर्वेद कॉलेज, स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, फार्मास्यूटिकल संकाय, मेडिकल कॉलेज, कॉमर्स संकाय के

विद्यार्थियों तथा एनसीसी के कैडेट्स ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने किया। छात्रों को प्रेरित करते हुए डॉ. जीएन सिंह ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कुलपति ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के मार्गदर्शन में हुए आयोजन में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. गिरधर वेदांतम, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति, डॉ. हरिओम शरण, रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित सभी संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन वैभव सिंह और आभार ज्ञापन श्रेया ने किया।

उत्कृष्ट परिणामों के लिए एमजीयूजी के छात्रों को प्रदान की गई योग्यता छात्रवृत्ति

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर,11 दिसंबर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के विभिन्न विभागों के छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

एमजीयूजी में गुरुवार को पुरस्कार वितरण समारोह में जिन विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया उन्हें नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण में नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय, आयुर्वेद कॉलेज, स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, फार्मास्यूटिकल संकाय, मेडिकल कॉलेज, कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों तथा एनसीसी के कैडेट्स ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने किया। छात्रों को प्रेरित करते हुए डॉ. जीएन सिंह ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कुलपति ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के मार्गदर्शन में हुए आयोजन में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. गिरधर वेदांतम, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति, डॉ. हरिओम शरण, रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित सभी संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन वैभव सिंह और आभार ज्ञापन श्रेया ने किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को मिला श्रेष्ठ संस्थान का खिताब

गोरखपुर: परमहंस पाल पीजी कालेज, सिसवा में आयोजित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के 10 दिवसीय सीएटीसी 175 संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने 23 विद्यालयों और 638 कैडेट्स के मध्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठ संस्थान का पुरस्कार जीता।

विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने कुल 11 ट्राफी, 20 गोल्ड व सिल्वर मेडल जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया। सीनियर बेस्ट कैडेट ब्वायज का पुरस्कार विकास यादव को तथा सीनियर बेस्ट कैडेट गर्ल्स और ओवरआल बेस्ट कैडेट का सम्मान कैडेट खुशी गुप्ता को मिला। बटालियन के कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा के निर्देशन में शिविर का शुभारंभ हुआ। विभिन्न सैन्य एवं सह-पाठ्यक्रम प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर श्रेष्ठ विद्यालय की ट्राफी से सम्मानित किया गया। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह द्वारा ट्राफी, गोल्ड एवं सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। डा.जीएन सिंह, कुलपति प्रो.सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव, विभिन्न संकायों के प्राचार्य एवं अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह समेत सभी प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों ने कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। -विज्ञप्ति

उत्कृष्ट परिणामों के लिए एमजीयूजी के छात्रों को प्रदान की गई योग्यता छात्रवृत्ति

गोरखपुर (विधान केसरी)। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न विभागों के छात्रों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई। एमजीयूजी में गुरुवार को पुरस्कार वितरण समारोह में जिन विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया उन्हें नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण में नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय, आयुर्वेद कॉलेज, स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय, कृषि संकाय, फार्मास्यूटिकल संकाय, मेडिकल कॉलेज, कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों तथा एनसीसी के कैडेट्स ने भाग लिया।

पुरस्कार वितरण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सुरिंदर सिंह और भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ जीएन सिंह ने किया। छात्रों को प्रेरित करते हुए डॉ जीएन सिंह ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कुलपति ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव के मार्गदर्शन में हुए आयोजन में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. गिरधर वेदांतम, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ. चंद्रशेखर मूर्ति,, डॉ. हरिओम शरण, रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित सभी संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन वैभव सिंह और आभार ज्ञापन श्रेया ने किया।

समाचार पत्रों में सेवापथ

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, शनिवार 13 दिसम्बर 2025 — 3

गोरखनाथ विश्वविद्यालय को मिला श्रेष्ठ संस्थान का पुरस्कार

स्वतंत्र चेतना
नगर संवाददाता, गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर की 102 यूपी बटालियन द्वारा आयोजित सीएटीसी–175 संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठ विद्यालय/संस्थान का पुरस्कार प्राप्त किया। परमहंस पाल पीजी कॉलेज, गुरली सीसवा में आयोजित इस 10 दिवसीय शिविर में 23 विद्यालयों के 638 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

शिविर का शुभारंभ 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह और एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा के निर्देशन में हुआ। सभी विद्यालयों को अल्फा, ब्रेवो, चार्ली और डेल्टा टीमों में विभाजित किया गया था। दस दिनों तक चली विभिन्न सैन्य एवं अन्य प्रतियोगिताओं के आधार पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने 11 ट्रॉफी और 20 गोल्ड-सिल्वर मेडल जीतकर अपना परचम लहराया। सीनियर बेस्ट कैडेट बॉयज का पुरस्कार विकास यादव को मिला,

एनसीसी सीएटीसी 175 शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ संस्थान घोषित
23 विद्यालयों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन, 11 ट्रॉफी और 20 पदक जीते कैडेट्स ने

जबकि सीनियर कैडेट गर्ल्स एवं ओवरऑल बेस्ट कैडेट का खिताब कैडेट खुशी गुप्ता ने जीता।

एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कैडेट्स ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। टग ऑफ वार में अमित चौधरी, अमन चौरसिया, भानु प्रताप सिंह और विकास यादव ने द्वितीय रनर अप स्थान प्राप्त किया। नेविगेशन पॉइंट टू पॉइंट प्रतियोगिता में ममता गुप्ता, अमृता, उजाला, अमित चौधरी, अरुण विश्वकर्मा और आदित्य ने बेहतर प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में आंचल पाठक, खुशी गुप्ता, मोतीलाल, अर्पिता राय, साक्षी, सागर यादव और ममता गुप्ता की प्रतिभा उभरकर सामने आई। चित्रकला प्रतियोगिता में विकास यादव तथा निबंध लेखन में आंचल पाठक ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। आइडिया इनोवेशन प्रतियोगिता में सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट आशुतोष मणि त्रिपाठी ने अपनी प्रतिभा दिखाई, जबकि स्टार्टअप प्रोजेक्ट में सार्जेंट विकास यादव को सम्मान मिला। आईजीसी प्रतियोगिता में सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, आशुतोष मणि त्रिपाठी और निलेश यादव ने उम्दा प्रदर्शन किया।

आर्मी अटैचमेंट शिविर में अरुण विश्वकर्मा, अभिषेक मिश्रा और सूरज कुमार शामिल रहे, वहीं यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए सार्जेंट निलेश कुमार यादव का चयन हुआ। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह द्वारा सभी विजेता कैडेट्स को ट्रॉफी, गोल्ड और सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। शिविर में बेहतरीन प्रदर्शन पर डॉ. जी.एन. सिंह, कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. डी.एस. अजीथा, डॉ. शशिकांत सिंह, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने कैडेट्स को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उच्च आदर्शों से परिपूर्ण हों युवा : अंकुर

गोरखनाथ विवि

राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से विकसित भारत युवा कनेक्ट गोष्ठी का हुआ आयोजन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में विकसित भारत युवा कनेक्ट गोष्ठी का आयोजन हुआ।

इसका उद्देश्य विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में युवाओं की सहभागिता को बढ़ाना है। गोष्ठी में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित स्वयंसेवक अंकुर मिश्रा का उद्बोधन स्वयंसेवकों के बीच हुआ। उन्होंने कहा कि देश का युवा उच्च आदर्शों एवं उद्देश्यों की भावना से परिपूर्ण होगा। तब हमारा राष्ट्र एक अजेय शक्ति के रूप में विश्व पटल पर स्थापित होगा।

युवा अधिकारी प्रशान्त एच मेरवाड़े ने कहा कि हम सभी को देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। हमारे युवा आदर्श स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाओं और सिद्धान्तों का अधिकतम उपयोग करने की आवश्यकता है। आज की हमारी संकल्पना 2047 के विकसित भारत का निर्माण करेगा। कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह ने कहा कि हमें विकास पथ पर अग्रगामी तो होना ही है परन्तु अन्य देशों को ध्यान में रखकर हमें अपने विकास की गति को बढ़ाना होगा।

स्वागत भाषण में डॉ. रघुराम आचार्य ने गोष्ठी के अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

एनसीसी शिविर में महायोगी गोरखनाथ विवि को श्रेष्ठ संस्थान का पुरस्कार

23 विद्यालयों के कैडेट्स के बीच किया प्रदर्शन, 11 ट्रॉफी और 20 मेडल किए अपने नाम

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। 102 यूपी बटालियन के 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठ संस्थान का खिताब अपने नाम किया। शिविर का आयोजन महराजगंज के सिसवा में स्थित परमहंस पाल पीजी कॉलेज में किया गया। शिविर में 23 विद्यालयों के 638 कैडेट्स ने भाग लिया।

10 दिन तक चली विभिन्न सैन्य और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को सर्वोत्तम विद्यालय की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। शिविर का उद्घाटन 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने किया। शिविर में कैडेट्स को चार टीम-अल्फा, ब्रेवो, चार्ली और डेल्टा टीम में विभाजित किया गया था।

सीनियर बेस्ट कैडेट गर्ल्स और ओवरऑल बेस्ट कैडेट का खिताब

परेड करते एनसीसी के कैडेट्स। स्रोत- संस्थान

कैडेट खुशी गुप्ता को मिला बेस्ट कैडेट का पुरस्कार

खुशी गुप्ता ने जीता जबकि सीनियर बेस्ट कैडेट बॉयज की ट्रॉफी विकास यादव को मिली। टग ऑफ वार, नेविगेशन, सांस्कृतिक प्रस्तुति, चित्रकला, निबंध लेखन, आइडिया इनोवेशन, स्टार्टअप प्रोजेक्ट समेत कई प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय ने 11 ट्रॉफी और 20 गोल्ड-सिल्वर मेडल जीते।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने सभी विजेता कैडेट्स को ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया। पूर्व ड्रग कंट्रोलर डॉ. जीएन सिंह, कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव सहित विभिन्न संकायों के प्राचार्यों और शिक्षकों ने कैडेट्स को इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में "विकसित भारत-युवा कनेक्ट गोष्ठी 2025" का हुआ आयोजन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)
गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में "विकसित भारत-युवा कनेक्ट गोष्ठी 2025" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के संकल्प में युवाओं की सक्रिय सहभागिता को सशक्त करना रहा।

यह गोष्ठी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह के मार्गदर्शन तथा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि एवं युवा अधिकारी प्रशान्त एच. मेरवाडे (क्षेत्रीय निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ) की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में यूथ आइकन एवं माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित स्वयंसेवक अंकुर मिश्रा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च आदर्शों

और स्पष्ट उद्देश्यों से युक्त युवा ही भारत को विश्व पटल पर एक अजेय शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के पंच प्रण एवं 11 संकल्पनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

युवा अधिकारी प्रशान्त एच. मेरवाडे ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को तन, मन और धन से योगदान देना होगा तथा स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह ने अपने उद्बोधन में तकनीक, चिकित्सा, सुरक्षा, उद्यमिता और मानव निर्माण के क्षेत्र में भारत को दो कदम आगे बढ़कर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप इकोसिस्टम और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। स्वागत भाषण डॉ. रघुराम आचार्य ने दिया, जबकि आभार ज्ञापन डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकान्त, डॉ. मनीष त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा "विकसित भारत- युवा कनेक्ट गोष्ठी- 2025" का आयोजन।'

'विकसित भारत 2047 का उद्घोष राष्ट्र कल्याण के लक्ष्य में युवाओं की सहभागिता हेतु युवा कनेक्ट गोष्ठी–2025 का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित हुआ।'

"विकसित भारत–युवा कनेक्ट कार्यक्रम 2025" का यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह के मार्गदर्शन एवं श्री प्रशान्त एच. मेरवाडे, (युवा अधिकारी) प्रतिनिधि भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस गोष्ठी में यूथ आइकन, माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित स्वयंसेवक श्री अंकुर मिश्रा जी का सौहार्दपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक उद्बोधन स्वयंसेवकों के बीच हुआ। जिसमें उन्होने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब हमारे देश का युवा उच्च आदर्शों एवं उद्देश्यों की भावना से परिपूर्ण होगा, तब हमारा भारतवर्ष एक अजेय शक्ति के रूप में विश्व पटल पर स्थापित होगा। उन्होने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री जी के पंच प्रण एवं 11 संकल्पना का भी विस्तारपूर्वक विद्यार्थियों के मध्य संवाद स्थापित किया, उद्बोधन के क्रम में युवा अधिकारी श्री प्रशान्त एच. मेरवाडे जी ने स्वयंसेवको को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को भारत के विकास में अपना योगदान समर्पित करने हेतु हर सम्भव प्रयास तन,मन,धन से करना होगा, जिस हेतु हमें हमारे युवा आदर्श स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाओं और सिद्धान्तों का अधिकतम उपयोग कर आहूत करने की आवश्यकता है आज की हमारी संकल्पना 2047 के विकसित भारत का निर्माण करेगा। एक ऐसा राष्ट्र होगा जिसे दुनिया मील के पत्थर के रूप में न केवल स्वीकार करेगा बल्कि अपनी पलकें बिछाकर हमें शिरोधार्य करेगा।

उद्बोधन के क्रम में हम सभी के अभिभावक डॉ. सुरिन्दर सिंह (कुलपति) जी ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें विकास पथ पर अग्रगामी तो होना ही है परन्तु अन्य देशों को ध्यान में रखकर हमें अपने विकास की गति को बढ़ाना होगा। हमें दुनिया से दो कदम आगे बढ़कर विकासशील होने की हर सम्भव विधा जैसे तकनीकि, चिकित्सा, सुरक्षा, उद्यमिता एवं मानव निर्माण के पथ पर सतत् प्रयत्नशील होना पड़ेगा। माननीय प्रधानमंत्री जी के डिजिटल नवाचारों जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) ने आधार, UPI, स्टैक, ONDC प्लेटफॉर्म और GeM जैसी पहलों को वैश्विक मान्यता प्राप्त हो चुकी है, जो डिजिटल नवाचार के लिए देश की प्रतिबद्धता को विश्व पटल पर रेखांकित करता है। भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में प्रगति कर रहा है, और इसके सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से आईटी और गैर–आईटी डोमेन में वैश्विक प्रमुखता प्राप्त की है। राष्ट्र एक संपन्न स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का दावा करता है, जो 340 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के संयुक्त मूल्यांकन के साथ 100 से अधिक यूनिकॉर्न की मेजबानी करता है, जो खुद को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में स्थापित करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के मंचासीन होने के पश्चात दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि से हुआ तत्पश्चात सरस्वती वंदना स्वयंसेवकों द्वारा गायन किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. रघुराम आचार्य ने गोष्टी के अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

आभार ज्ञापन के क्रम में डॉ. आयुष कुमार पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन सम्मनित अतिथियों के किया गया उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा कि युवा भारतवर्ष की अमूल्य निधि हैं जो भारत राष्ट्र को सम्प्रभुता के साथ विकसित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। गोष्ठी का समापन राष्ट्रगीत "वंदे मातरम" के साथ हुआ।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त स्वयंसेवकों सहित कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, श्री श्रीकान्त उप कुलसचिव (प्रशासन), डॉ. मनीष त्रिपाठी, स्वयंसेवक निखिल प्रकाश पाण्डेय (संचालक), आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आज की संकल्पना 2047 के विकसित भारत का निर्माण करेगा

गोरखपुर(एसएनबी)। विकसित भारत 2047 का उद्घोष राष्ट्र कल्याण के लक्ष्य में युवाओं की सहभागिता हेतु युवा कनेक्ट गोष्ठी-2025 का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित हुआ।

गोष्ठी में यूथ आइकन, राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित स्वयंसेवक अंकुर मिश्रा ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब हमारे देश का युवा उच्च आदर्शों एवं उद्देश्यों की भावना से परिपूर्ण होगा, तब हमारा भारतवर्ष एक अजेय शक्ति के रूप में विश्व पटल पर स्थापित होगा। उन्होने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री के पंच प्रण एवं 11 संकल्पना का भी विस्तारपूर्वक विद्यार्थियों के मध्य संवाद स्थापित किया।

युवा अधिकारी प्रशान्त एच. मेरवाड़े प्रतिनिधि भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ ने कहा कि आज की हमारी संकल्पना 2047 के विकसित भारत का निर्माण करेगा। जो एक ऐसा राष्ट्र होगा जिसे दुनिया मील के पत्थर के रूप में न केवल स्वीकार करेगा बल्कि अपनी पलकें बिछाकर हमें शिरोधार्य करेगा।

एमजीयूजी में रासेयो द्वारा विकसित भारत- युवा कनेक्ट गोष्ठी- 2025 का आयोजन

डॉ. सुरिन्दर सिंह कुलपति ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें विकास पथ पर अग्रगामी तो होना ही है परन्तु अन्य देशों को ध्यान में रखकर हमें अपने विकास की गति को बढ़ाना होगा। हमें दुनिया से दो कदम आगे बढ़कर विकासशील होने की हर सम्भव विधा जैसे तकनीकी, चिकित्सा, सुरक्षा, उद्यमिता एवं मानव निर्माण के पथ पर सतत् प्रयत्नशील होना पड़ेगा।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि से हुआ तत्पश्चात सरस्वती वंदना स्वयंसेवकों द्वारा गायन किया गया। स्वागत भाषण में डा. रघुराम आचार्य ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

डा. आयुष कुमार पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। गोष्ठी का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों सहित कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, श्रीकान्त उप कुलसचिव (प्रशासन), डॉ. मनीष त्रिपाठी, स्वयंसेवक निखिल प्रकाश पाण्डेय (संचालक), आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में सेवापथ

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न : अश्विनी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके। आयुर्वेद कालेज की कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ. विष्णुमाया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन शिवांश ने किया।कार्यक्रम में डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ संध्या, डॉ नवोदय राजू, डॉ विनम्र, डॉ अर्पित, डॉ ब्रह्मदेव सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई,और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न : अश्विनी

एमजीयूजी के आयुर्वेद कालेज में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण' विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है।

अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते है। भारतीय परिप्रेक्ष्य तथा ज्ञान परंपरा में बारम्बार संस्कार और चरित्र निर्माण विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शिक्षण संस्थाओं के महत्वपूर्ण गतिविधि थे। इस संस्कृति का विलोप होने से इस तरह के अपराध बढ़ते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखे, संगत ठीक रखे, इस तरह के विचारों को मन मस्तिष्क में स्थान न दे। परस्पर सम्मान की संस्ति विकसित करें और किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण के विरुद्ध निर्भीक होकर लड़े। साथ ही, उन्होंने संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका को भी रेखांकित किया।अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानून के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, संवेदनशील संवाद और सकारात्मक संस्थागत संस्कृति आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य सावीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न : अश्विनी

एमजीयूजी के आयुर्वेद कालेज में हृयौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारणह्न विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर (न.अ.प्र.)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा में हृयौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारणह्न विषय पर बुधवार को जागरूकतापरक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजसेवी अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है।

अश्विनी कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य तथा ज्ञान परंपरा में बारम्बार संस्कार और चरित्र निर्माण विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा शिक्षण संस्थाओं के महत्वपूर्ण गतिविधि थे। इस संस्कृति का विलोप होने से इस तरह के अपराध बढ़ते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखे, संगत ठीक रखे, इस तरह के विचारों को मन मस्तिष्क में स्थान न दे। परस्पर सम्मान की संस्कृति विकसित करें और किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण के विरुद्ध निर्भीक होकर लड़े। साथ ही, उन्होंने संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका को भी रेखांकित किया।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कानून के साथ–साथ नैतिक शिक्षा, संवेदनशील संवाद और सकारात्मक संस्थागत संस्कृति आवश्यक है। कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे विषयों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके।

आयुर्वेद कालेज की कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ. विष्णुमाया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन शिवांश ने किया।कार्यक्रम में डॉ रश्मि पुष्पन, डॉ संध्या, डॉ नवोदय राजू, डॉ विनम्र, डॉ अर्पित, डॉ ब्रह्मदेव सहित सभी प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं अष्टावक्र इकाई, आत्रेय इकाई, और भारद्वाज इकाई के स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है यौन उत्पीड़न

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में बुधवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय था-'यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण'। अश्विनी कुमार ने कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की अष्टावक्र इकाई का था।

अश्विनी कुमार ने कहा कि कानून का उद्देश्य दंड देना ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। इसमें समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते हैं। अध्यक्षता आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. गिरिधर वेदांतम ने की। शिवांश ने संचालन व डा. विष्णु माया ने आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर आचार्य साध्वीनन्दन पांडेय, डा. रश्मि पुष्पन, डा. संध्या, डा. नवोदय राजू, डा. विनम्र, डा. अर्पित, डा. ब्रह्मदेव उपस्थित रहे। विज्ञप्ति।

यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं : अश्विनी कुमार

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न रोकथाम पर हुआ जागरुकता कार्यक्रम

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की अष्टावक्र इकाई द्वारा यौन उत्पीड़न रोकथाम एवं निवारण विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अश्विनी कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अश्विनी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि यौन उत्पीड़न केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चेतना और नैतिकता से जुड़ा विषय है। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न

(निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम की मूल भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना है। इसके लिए समाज और व्यक्ति के संस्कार महत्वपूर्ण होते हैं। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञानार्जन के स्थान नहीं होते, बल्कि ये चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी होते हैं।

कार्यक्रम संयोजक एवं रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने कहा कि यौन उत्पीड़न रोकथाम जैसे संवेदनशील मुद्दों पर संवाद करना आज की आवश्यकता है, ताकि युवा पीढ़ी सुरक्षित, जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सके।कार्यक्रम के अंत में आयुर्वेद कालेज की कमेटी अगेंस्ट सेक्सुअल हरासमेंट की वरिष्ठ सदस्य डॉ. विष्णुमाया ने सभी का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में डॉ. रश्मि पुष्पन, डॉ. संध्या, डॉ. नवोदय राजू, डॉ. विनम्र, डॉ. अर्पित, डॉ. ब्रह्मदेव सहित कई अन्य प्राध्यापकगण, चिकित्सक, विद्यार्थी और रासेयो की विभिन्न इकाइयों के स्वयंसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिवांश ने किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'सुशासन का महत्व' पर भाषण व काव्य प्रतियोगिता आयोजित

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी की उपलब्धियों के परिप्रेक्ष्य में "सुशासन का महत्व" विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं काव्य पाठ का आयोजन 20 दिसंबर 2025 को किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अटल जी के विचारों और सुशासन की अवधारणा को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

निर्णायक मंडल में डॉ. प्रज्ञा सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, BAMS) एवं अश्वनी कुमार (समाजसेवी) शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए अटल जी के जीवन से प्रेरणा लेने तथा स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने का

आह्वान किया। भाषण प्रतियोगिता में शिवम् पाण्डेय ने प्रथम, सुमित मिश्रा ने द्वितीय एवं सौम्या पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं काव्य पाठ प्रतियोगिता में विवेक राज प्रथम, सृष्टि यादव द्वितीय तथा वैष्णवी पाण्डेय तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय के निर्देशन एवं एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर शिवाजी व पारिजात इकाई के कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल एवं डॉ. आयुष कुमार पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डिप्लोमा इन फार्मेसी प्रथम वर्ष के छात्र मानस शर्मा ने किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनएसएस द्वारा भव्य कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं उषा फोम प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा शनिवार को कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शीतलहर से प्रभावित जरूरतमंद ग्रामवासियों को राहत प्रदान करना रहा, जिसके अंतर्गत 250 उच्च गुणवत्ता वाले कंबल वितरित किये गये। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने की, जबकि मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह, वैज्ञानिक सलाहकार, उत्तर प्रदेश सरकार रहे। विशिष्ट अतिथियों में एस.के. अग्रवाल, सौरभ जैन, बीर सेन सिंह, विष्णु अजीत सरिया तथा ग्राम प्रधान ओमप्रकाश चौहान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष त्रिपाठी ने स्वागत संबोधन में गुरु गोरखनाथ जी की सेवा, लोककल्याण और मानवता की परंपरा को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह ने समाज सेवा को सामाजिक विकास का मजबूत आधार बताया, वहीं विशिष्ट अतिथि एस.के. अग्रवाल ने उद्योग जगत की सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा कि "नर सेवा ही नारायण सेवा" का भाव ही नाथ परंपरा और एनएसएस के आदर्शों का मूल है। उन्होंने युवाओं से सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में लाभार्थियों को कंबलों का वितरण किया गया, जिसकी गुणवत्ता की सभी ने सराहना की।

राष्ट्रीय सेवा योजना   राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एन.सी.सी. ऑफिसर, राष्ट्रीय कैडेट कोर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007